ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | जुलाई-II-2025 | अंक - 08 | माउण्ट आबू | Rs.-12

ब्रह्माकुमारीज़ : ग्राम स्वराज्य विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन

प्राकृतिक खेती के साथ आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वय बहुत ज़रूरी: सांसद रूपाला

माउंट आबू-राज.। ज्ञान सरोवर में कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आयोजित ग्राम स्वराज्य विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए सांसद पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से किसान को सम्मान पूर्वक अन्नदाता की उपाधि दी गई है। वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती की तरफ लौटना आवश्यक हो गया है। हमारे पूर्वज सर्व के कल्याण की भावना को प्राथमिकता देते थे और अपने बच्चों को भी उन्हीं मूल्यों के साथ जीने की प्रेरणा देते थे। हमारे गांव पूरी तरह आत्मनिर्भर थे लेकिन कालांतर में रासायनिक खेती के कारण उनकी आत्मनिर्भरता में कमी आई।

खेती के साथ आध्यात्मिकता को अधिक व्यापक बनाना ज़रूरी

उन्होंने कहा कि किसान ने हर विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अपना कार्य नहीं छोड़ा तभी कृषि को सनातन कृषि कहा जाता है। तपोवन में जो प्राकृतिक खेती का प्रैक्टिकल मॉडल बनाया है उसे देखने के बाद मैंने भी सोचा कि एक ऐसा ही मॉडल भारत सरकार के आई.एस.आर. से मिलकर कृषि विज्ञान केन्द्रों पर बनाया जाए तो इसका बहुत अच्छा असर होगा। शाश्वत खेती को आपने आध्यात्मिकता के साथ जोड़ा है, जिसे कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से और अधिक व्यापक बनाए जाने की आवश्यकता है।

बिना कृषि के विकास सम्भव ही नहीं

चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सनातन कृषि संस्कृति जैसे विषय का चयन बहुत ही महत्वपूर्ण है न केवल वर्तमान के लिए बल्कि भविष्य के अनेक दशकों के लिए। भारत प्राचीन काल से प्राकृतिक खेती करता आया है। पहले गाय के गोबर का उपयोग खाद के रूप में किया जाता था। आज भले ही पहले की तुलना में हर चीज़ का उत्पादन बढ़ा है लेकिन ज़मीन की मिट्टी की क्वॉलिटी खराब हो गई है। रासायनिक खेती से मनुष्य भी परेशान है और प्रकृति भी रौद्र रूप धारण कर चुकी है। भारत को अगर विकसित राष्ट्र बनाना है तो बिना कृषि के विकास सम्भव ही नहीं है। आज किसान का विश्वास देशी तकनीक पर बढ़ा है लेकिन इसका प्रयोग अगर हम अपनी संस्कृति व विरासत के साथ जोड़ देते हैं तो विकास को कोई रोक नहीं सकता।

भौतिक व आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वय ज़रूरी

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि जब भौतिक व आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वय करें तभी सर्वांगीण विकास सम्भव है। प्रभाग ने लक्ष्य रखा है कि किसानों को सशक्त बनाएं तो गांव आत्मनिर्भर बनेंगे और फिर देश आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा।

ग्राम स्वराज्य का अर्थ गांवों का स्वशासन

ब्र.कु. बद्री विशाल,पूर्व असिस्टेंट डायरेक्टर,कृषि निदेशालय,लखनऊ ने कहा कि ग्राम स्वराज्य का अर्थ है गांवों का स्वशासन। ग्राम स्वराज्य के मुख्य घटक हैं- आत्मनिर्भरता, सामूहिक भागीदारी, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, नैतिक मूल्य, अहिंसा व सर्वांगीण विकास। यह सभी घटक सनातन कृषि संस्कृति के अन्दर समाहित हैं। जिसे हम यौगिक खेती कहते हैं। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रभा दीदी,ज्ञान सरोवर,निर्देशिका ने कहा कि प्राकृतिक रीति से फसल तैयार करने के साथ योग के श्रेष्ठ वायब्रेशन्स भी बीज में भरें और फसलों को दें। कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. राजू ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुनंदा ने राजयोग का अभ्यास कराया। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुमंत व ब्र.कु. शशिकांत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धरती माँ को हरा-भरा बनाने के लिए- 'एक पौधा माँ के नाम'

नरसिंहपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज के प्रभु उपहार भवन के 29 वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रकृति के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' शीर्षक से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्र.कु. कुसुम ने वार्षिक उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्यावरण दिवस का शुभ अवसर भी है और ये केवल एक दिन वृक्ष लगाकर मनाने के लिए नहीं है बल्कि हमें निरंतर प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझकर निभाने की आवश्यकता है। हमारे घर परिवार में जब भी कोई शुभ अवसर, जन्मदिन आए तो एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें। पौधों का उचित रख-रखाव हो सके इसके लिए ब्रह्माकुमारीज द्वारा कल्पतरु प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक मोबाइल एप 'कल्पतरु' बनाया गया है जिसमें हम अपने द्वारा लगाए गए पौधे की जानकारी और फोटो अपलोड करते हैं। इस एप्लीकेशन द्वारा समय-समय पर पौधे के रख-रखाव से सम्बन्धित जानकारियां प्राप्त होती हैं। दीदी ने प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग को भी कम करने पर प्रकाश डाला। पत्रकार अमित जैन ने ब्रह्माकुमारीज के करेली नगर में 29 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामना देते हुए कहा कि ये नगर का सौभाग्य है कि ऐसे कार्यक्रम नगर के उत्थान में सक्रिय है और संस्थान समय-समय पर ऐसे आयोजन करता रहता है। कार्यक्रम में 34 पौधों का सफलतापूर्वक गमलों में रोपण किया गया जिनको उचित मौसम आने पर भाई-बहनों द्वारा खेत खलियान में कल्पतरु प्रोजेक्ट के अंतर्गत रोपित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। ब्र.कु. कृषि ने सभी को प्रकृति के संरक्षण और सहयोग की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एम.सी. पटेल,रिटायर्ड बैंक मैनेजर, यू.सी. विश्वकर्मा,पूर्व प्राचार्य, भुजबल राजपूत,पत्रकार, नेतराम कौरव, नितेश गुप्ता, ज्योति गौतम जैन,पार्षद, शैलजा शर्मा,पार्षद, सीमा कोहली सहित नगर के व्यापारी, प्रतिष्ठित पत्रकार बंधु और क्षेत्र के ब्र.कु. भाई-बहनों की उपस्थिति रही।

मेरा भारत नशा मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ

शरीर रूपी मन्दिर को दुर्व्यसनों से गन्दा न करें

रायपुर-छ.ग.। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के द्वारा अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल और रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर आयोजित एक दिवसीय नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी के शुभारम्भ के पश्चात् नगर पालिका निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने कहा कि प्रदर्शनी का अवलोकन करने से वास्तव में जीवन को निरोगी बनाए रखने के लिए तम्बाकू के सेवन से दूर रहने की प्रेरणा मिलती है। मनुष्य जीवन बहुत ही मूल्यवान है उसे सुरक्षित रखने के लिए सभी प्रकार के नशे से दूर रहना नितांत आवश्यक है। रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रबन्धक आर.पी. मण्डल ने कहा कि नशा मानव का सबसे बड़ा शत्रु है। इसी को ध्यान में रखकर प्रदर्शनी में सुन्दर ढंग से नशे के दुष्प्रभाव के बारे में सचेत किया गया है। ब्रह्माकुमारी बहनों के ऐसे प्रयासों से ही नशामुक्त और स्वस्थ समाज बनाने में मदद मिलेगी। नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर रविशंकर जोशी ने नशामुक्ति के लिए ब्रह्माकुमारीज की सराहना करते हुए कहा कि लोगों को जागरूक करने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन अच्छा प्रयास है। नारकोटिक्स विभाग के अधीक्षक अनिल कुमार ने कहा कि प्रदर्शनी का अवलोकन करने से यह समझ मिलती है कि आध्यात्मिकता की सहायता से नशा करने से खुद को बचाया जा सकता है। इससे समाज को नशामुक्त बनाने में काफी सहयोग मिलेगा। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता ने कहा कि हमारा शरीर चैतन्य आत्मा का मन्दिर है। इसे दुर्व्यसनों आदि का सेवन कर अपवित्र नहीं करना चाहिए। मानव से देवतुल्य बनने के लिए तन और मन को पवित्र बनाना ज़रूरी है। इसके लिए परमात्मा के सिखाए गए राजयोग का अभ्यास करना पड़ेगा। उन्होंने अभिभावकों को सुझाव देते हुए कहा कि घर में नशे की कोई सामग्री नहीं रखें और स्वयं व्यसनों से मुक्त रहकर अपने बच्चों के आगे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें। अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल,भाठागांव में निगम के ज़ोन क्रमांक-6 के अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता ने कहा कि आजकल युवा पीढ़ी नशे की चपेट में है। ऐसे समय पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में नशाखोरी रोकने के लिए लोगों का मार्गदर्शन कर रही है, जोकि सराहनीय है।